Thermal Plant at Cochin

*831. **Shri P. P. Esthose:**
Shri N. Sreekantan Nair:
Shri Vasudevan Nair:
Shri C. Janardhanan:

Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) the present stage of the proposed thermal plant at Cochin;

(b) the steps which Government have taken to start this at an early date; and

(c) the generating capacity of the proposed plant?

The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) to (c). In May, 1966, a scheme for establishing a 30 Megawatt thermal power station near Cochin was sanctioned, based on utilisation of about 40,000 tons of furnace oil from the Cochin Refinery. Subsequently, the Ministry of Petroleum and Chemicals intimated that as a result of re-appraisal of the demand forecasts for the petroleum products and the local production available, it would be possible to supply adequate fuel oil for a larger power plant. It was, therefore, decided to instal a 55 Megawatt generating unit instead of 30 Megawatt in order to improve the reliability of power supply in Kerala. This proposal has been considered by the Planning Commission, who, in September, 1966 asked the Government of Kerala to forward the revised project report to Central Water and Power Commission. This was received in March, 1967 and is under examination. The question of procurement of the generating plant and equipment is also under consideration.

हैजा

*832. **श्री स० चं० सामन्त :**
श्री स० कु० सिन्हा :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री बिपिन कुमार चौधरी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री चिन्तामणि पाणिग्रही :
श्री रामचन्द्र उलाका :
श्री धुलेश्वर मीना :
श्री स० प्रधानी :
श्री हीरजी भाई :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष अन्त में तथा चालू वर्ष के आरम्भ में हैजा तथा अन्य संक्रामक रोगों में अत्यधिक वृद्धि के क्या कारण हैं;

(ख) किन किन राज्यों में इन रोगों का भीषण प्रकोप है और उसके फलस्वरूप कितने व्यक्तियों की मृत्यु हुई है;

(ग) इन रोगों को फैलने से रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है; और

(घ) क्या इन रोगों को रोकने के लिये राज्य सरकारों ने केन्द्रीय सरकार से विशेष सहायता मांगी है; और यदि हां, तो उनकी मांग को पूरा करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीपति चन्द्र शेखर) : (क) गत वर्ष के अन्त में और चालू वर्ष के आरम्भ में इस रोग के अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में, जहां यह संक्रमण मुख्य भूमि से गया, फैलने के अलावा इस रोग की घटनाओं में कोई असाधारण वृद्धि नहीं हुई है। रोग की सूचना मिलते ही उस पर काबू पा लिया गया है। तथापि चेचक की घटनाओं में वृद्धि हुई है जिसके कारण इस प्रकार हैं :—

(1) हर पांच से सात वर्ष के बाद इस रोग की पुनरावृत्ति की संभावना रहती है। 1967–68